सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना म0 प्र0

एल.आई.जी. 914, न्यू हॉउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मुरैना (मध्यप्रदेश) पिन–476001
Email- sujagriti99@gmail.com Website- www.sujagriti.org
Mobile No. 09826318465 / 09977843980

दिनांक – 21-01-2021

प्रति,

श्रीमान मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय
नेशनल मेडीशनल प्लान्ट बोर्ड दिल्ली

द्वाराः– डारेक्टर आर.सी.एफ.सी. जबलपुर म.प्र.

विषयः– औषधीय पौधा गुग्गुल व जैवविविधता संरक्षण और आजीविका परियोजना आज दिनांक तक की रिपोर्ट हेतु।

सन्दर्भ– आपके पत्र क्र0 F.No. Z.18017/188CONS/MP-012017-18-NMPB Date 23rd April 2019.

महोदय,

विषयान्तर्गत निवेदन है कि सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा आपके सहयोग से औषधीय पौधा गुग्गुल व जैवविविधता संरक्षण और आजीविका परियोजना चलाई जा रही है। जिसकी आज दिनांक तक की रिपोर्ट आपके अवलोकनार्थ एवं आवश्यक कार्यावाही हेतु प्रस्तुत है।

अतः आपसे विनम्रता पूर्वक अनुरोध है रिपोर्ट से सम्बन्धित अन्य दस्तावेज व जानकारी की आवश्यकता हो तो अवगत कराने की कृपा करें।

Name.......................................
Head of the Organization
President
Sujagrati Samaj Sevi Sanstha
Morena (M.P.)

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल, सतावर, करील, का रोपण विश्व पर्यावरण के अवसर पर

आज विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर सुजागृति समाजसेवी संस्था मोरेना द्वारा 500 गूगल सतावर के पेड़ों का वृक्षारोपण ग्राम बागचीनी में किया गया जिस कार्यक्रम में डीएफओ वन विभाग एसडीओ साहब रेंजर साहब डिप्टी रेंजर सुजागृति समाज सेवी संस्था के कार्यकर्ता और करीब 20 हितग्राही किसान सोशल डिस्टेंस के साथ यह वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया इसमें गूगल सतावर करील आदि पड़ लगाए गए 10 बीघा के खेत में जहां किसानों ने अपने खेतों की मेड़ों पर इन पौधों का रोपण किया इन पौधों को समतल जमीन पर लगाने के पीछे एक उद्देश्य यह है कि भविष्य में हमें गूगल के बीच आसानी से प्राप्त होंगे गौ द भी आसानी से प्राप्त होगा और वह दिखेगा इससे किसानों की आय वृद्धि होगी पर्यावरण सुधरेगा और लुप्त होती हुई प्रजाति गूगल बचेगी इस कार्यक्रम में ग्राम सरपंच राजेश जी हितग्राही किसान मनोज उपाध्याय अजयवीर सिंह सिकरवार 20 किसानों द्वारा इस कार्यक्रम में भागीदारी की यह कार्यक्रम नेशनल मेडिसिनल प्लांट बोर्ड के सहयोग से किया गया

पेपर न्यूज

पर्यावरण दिवस... किसानों की जमीन पर रोपे 500 गुग्गल के पौधे

मुरैना|विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में सुजाग्रति संस्था के जुड़े समाजसेवियो ने बागचीनी बस स्टेंड के पास स्थित किसानों के खेत की मेड़ पर शुक्रवार को 500 गुग्गल के पौधे रोपे। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में फॉरेस्ट विभाग के रेंजर ब्रजेंद्र झा, तहसीलदार कल्पना शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर सुजाग्रति संस्था के सचिव जाकिर हुसैन ने कहा कि गुग्गल की खेती अपनाकर किसान भाई न केवल अतिरिक्त आय कर सकते हैं, बल्कि इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा।

डी.एफ.ओ. मुरैना श्री बसंत कुमार निकुम्भ पौधा रोपण करते हुये।

मनुष्य का जीवन बचाने हेतु जैव विविधता का संरक्षण जरूरी प्रशिक्षण

आज दिनांक 17.10.2020 को सीनियर आईफएस माननीय श्री श्रीनिवासन मूर्ति साहब पूर्व जैव विविधता बोर्ड सदस्य सचिव महोदय और उनकी पत्नी, सुजाग्रति समाज सेवी संस्था द्वारा आयोजित जैव विविधता संरक्षण एवं संवर्धन कार्यक्रम ग्राम पिपरई मैं गूगल की उपयोगिता,फल संग्रह पर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें आदरणीय मूर्ति साहब द्वारा बताया गया कि जैव विविधता को समझने के लिए करोना से अच्छा कोई उदाहरण नहीं हो सकता है चमगादड़ के साथ छेड़छाड़ मनुष्य ने की उसका परिणाम आज सारा जगत भोग रहा है इसलिए हमें प्रकृति की खूबसूरती के साथ छेड़छाड़ नहीं करना है उसका संतुलन बनाना है गूगल एक ऐसी औषधि पौधा है जिससे हजार बीमारियों का इलाज होता है हमारे पास पर्याप्त जगह इसे लगाने के लिए तथा इसके लिए यहां की बीहड़ की मिट्टी बहुत मुफीद है यह यहां के लोगों की आजीविका का साधन बन सके यह प्रयास हम और आपको करना है आम के पेड़ लगाता कोई और है और आम खाता कोई और है हमें अपने साथ साथ आने वाली पीढ़ी का भी खयाल रखना है इस अवसर पर जैव विविधता प्रबंधन समिति पिपरई के अध्यक्ष द्वारिका नेता जी द्वारा भी जैव विविधता का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि समुद्र मंथन के समय कल्पवृक्ष निकला था उसी की तुलना गूगल से की ,जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह लंगड़ा गांव से पधारे उन्होंने भी जैव विविधता पर प्रकाश डाला और गूगल की सुरक्षा और संवर्धन के लिए प्रतिबद्धता जताई सुजागृति से जाकिर हुसैन द्वारा अभी तक गूगल पर किए गए कार्यों के विषय में बताया गया उन्होंने बताया कि आज गूगल शतावर से 500 परिवार की आजीविका चल रही है इसलिए इसका संरक्षण और संवर्धन बहुत ही आवश्यक है इस अवसर पर गोष्ठी में प्रतिभागीता कर रहे समुदाय ने भी गूगल ओर औषधि पौधों का संरक्षण करने की शपथ ली वन विभाग से कुलश्रेष्ठ रेंजर साहब लाखन सिंह डिप्टी रेंजर साहब द्वारा भागीदारी की गई इस कार्यक्रम से समितियों , समुदाय में व संस्था में नव जागृति नई चेतना नया उत्साह पैदा हुआ

प्रशिक्षण... मनुष्य का जीवन बचाने जैव
विविधता का सरंक्षण जरूरी

मुरैना | मनुष्य का जीवन बचाने के लिए जैव विविधता का सं
करना अत्यंत आवश्यक है। जिस प्रकार भोजन की पौष्टिकता के
थाली में सब्जी, दाल, चावल, रोट, सलाद होना चाहिए। ठीक
प्रकार प्रकृति का संचालन करने सभी प्रकार के जीव जंतुओं का
जरूरी है। यह जानकारी शनिवार को पिपरई गांव में आयोजित
विविधता प्रशिक्षण शिविर में किसानों को समाजसेवी जाकिर
दे रहे थे। यह प्रशिक्षण सुजाग्रति संस्था द्वारा आयोजित किया
जिसमें 50 से अधिक किसान उपस्थित थे।

एन.एम.पी.बी. की परियोजना का मूल्यांकन एवं ई वैल्यूएशन RCFC द्वारा

दिनांक 16.10.2020 ग्राम जाबरौल में क्षेत्रीय सह सुविधा केंद्र मध्य प्रदेश जबलपुर आरसीएफसी की ओर से मनीष गोस्वामी सलाहकार और पंकज सैनी साहब का आगमन हुआ उनके द्वारा हितग्राही किसानों के साथ बैठक की तथा बीहड क्षेत्र का भ्रमण भी किया गया सुजागृति समाज सेवी संस्था द्वारा लगाए गए गूगल सतावर करील चमेली के पेड़ों का अवलोकन भी किया गया साथ ही जावरोल के पूर्व सरपंच श्री एहसान अली खान को अश्वगंधा की खेती के लिए मोटिवेट किया गया और वह अश्वगंधा लगाने के लिए तैयार हो गए तथा 4 किलो अश्वगंधा का बीज मनीष जी द्वारा एहसान अली को दिया गया इसकी खेती के रिजल्ट को देखने बाद अन्य किसान औषधि पौधों के लिए लालायित होंगे तथा इसे बीहड में आजीविका बढ़ाने का नया साधन हो जाएगा राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित आरपीएससी व सुजागृति की यह मंशा है कि बीहड़ क्षेत्र में तथा खेती में औषधि पौधों का रोपण किया जाए जिससे किसानों की आय दोगुनी से भी ज्यादा हो जाएगी इसलिए अश्वगंधा और पुनर्नवा तथा क्षेत्र औषधि पौधों की संभावना तलाश कर उन्हें रोपित कर फसल अर्जित करके आजीविका के श्रोत यहां पैदा हो जिससे जो लोग भूमि हींनऔर बेघर हो गए हैं बीहड़ के कारण उनके लिए आजीविका का साधन बनाना उद्देश्य है इनके द्वारा ग्राम बामसौली, जाबरौल, पिपरई और नदुआ पुरा में मुल्यांकन एवं ई वैल्यूएशन किया गया।

एन.एम.पी.बी. की परियोजना का मूल्यांकन एवं रिव्यू संस्था द्वारा

आज दिनांक 23.11.2020 गूगल प्लांटेशन क्षेत्र का भ्रमण किया गया जिसमें 20 साल के पौधे 15 साल के पौधे 10 साल के पौधे वह 5 साल के पौधे और 1 साल के पौधों का अवलोकन किया गया साथ ही ग्राम नदुआ पुरा का भ्रमण किया गया महिलाओं के साथ बैठक की उनकी समस्याओं को सुना नदुआ पुरा गांव के लोग जड़ी बूटी गोद आदि से अपना जीवन यापन करते हैं ग्राम पिपरई ओर नादनपुर मै

15 सितम्बर 2020

जैव विविधता प्रबंधन समिति के साथ बैठक व कार्य का मुल्यांकन

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल, सतावर, करील, का रोपण

दिनांक 22.09.2020 को ग्राम पंचायत बागचीनी के पोखर इलाके मैं तहशील जौरा मैं सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण गुग्गल, सताबर कारील, चमैनी का **NMPB** के सहयोग से किया गाया पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेदारी हितग्राही किसान ब्रजेश उपाध्याय ने लिया एवं समुदाय की आजीविका का साधन भूमि कटाव को रोकने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है इस कार्यक्रम में हितग्राही किसान ग्राम सरपंच बैगचीनी के बनवारी लाल गुर्जर राजेन्द्र सिंह सिद्दार यादब ब्रजेश मनोज उपाध्याय राजबीर सिंह सिकरबार अजयबीर और सुजागृती समाज सेवी संस्था के लोग भागीदारी कीपेड़ ही प्रदूषण के जहर को बचाते हैं हारी बीमारी से हम को बचाते हैं। हरियाली ही खुशियां ली है।

साथ खेल प्रति...

पौधरोपण... औषधीय प्रजातियों के 100 से अधिक पौधे रोपे

मुरैना| सुजाग्रति समाजसेवी संस्था द्वारा मंगलवार को बागचीनी गांव स्थित सरकारी जमीन पर 100 से अधिक औषधीय प्रजाति के पौधे रोपे। इस दौरान समाजसेवियों ने ग्रामीणों के साथ गुग्गल, सतावर, करील, चमैली के पौधे लगाए। इस अवसर पर समाजसेवी जाकिर हुसैन ने बताया कि गुग्गल, सतावर, करील व चमेली के पौध न केवल किसान की आर्थिक आय बढ़ाने में सहायक हैं, बल्कि इन पौधों को रोपकर भू-कटाव रोका जा सकता है। गुग्गल के पौधे बिना पानी के विकास कर जाता है तथा आयुर्वेदिक कंपनियां इस अच्छी कीमत पर खरीदती हैं। पौध रोपण करने वालों में ब्रजेश उपाध्याय, बनवारी लाल गुर्जर, राजेन्द्र सिं, सिद्दार यादव, मनोज उपाध्याय, राजबीर सिंह सिकरबार, अजयवीर आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

17 जून 2020

गूगल के लगाइए गए पौधों का मूल्यांकन एवं मॉनिटरिंग करते हुए

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् औषधि पार्क के लिए जनसमुदाय की पहल

औषधि पार्क के लिए जन समुदाय की पहल आज कुस अमावस्या के अवसर पर दिनांक 19.08.2020 को ग्राम बामसौली में जनसमुदाय, जनप्रतिनिधियों एवं हितग्राही किसानों ब भक्त जनों के सहयोग से खो वाले हनुमान जी पर एक हेक्टेयर जमीन को औषधि पाक बनाने के लिए पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन सु जागृति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा किया गया पौधारोपण से पूर्व पूर्व में जो पौधे लगाए गए थे उन पौधों की सफाई की गई घास हटाया गया फिर वृक्षारोपण किया गया वृक्षारोपण में गूगल, सतावर ,अग्नि मांथ, जामुन और बर्गद आदि के विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण किया गया इस कार्यक्रम में श्री जितेन्द्र सिंह तोमर ,श्री राकेश पचौरी सबलगढ़ से ग्राम बमसौली के सरपंच मुरारी लाल रावत जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सद्स्य व हितग्राही किसान मुरैना से राकेश श्रीवास्तव सुशील कुमार नागर राजेन्द्र ,सुजागृति समाज सेवी संस्था से श्री जाकिर हुसैन मुन्नालाल आदि लोगों ने भागीदारी की यह वृक्षारोपण यहां एक औषधि पार्क बने, पर्यावरण की सुरक्षा हो गरीबों की आजीविका सुनिश्चित हो इस उद्देश्य को लेकर हरियाली से खुशहाली की ओर समुदाय को ले जाने का प्रयास किया जा रहहै यह कार्यक्रम राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सहयोग से आयोजित किया गया लगाये गए पौधों का रखरखाव का संकल्प भी ग्रामीण जनों ने लिया साथी सरपंच साहब ने ट्री गार्ड लगाने का आश्वासन भी दिया गया

पेपर न्यूज

पत्रिका patrika.com | 06

ग्वालियर, गुरुवार, 20 अगस्त, 2020

पौधरोपण करने के लिए उपस्थित लोग।

औषधि पार्क के लिए जनसमुदाय की पहल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मुरैना. अमावस्या के अवसर पर बुधवार को ग्राम बमसौली में जनसमुदाय, जनप्रतिनिधियों एवं हितग्राही किसानों व भक्तजनों के सहयोग से खो वाले हनुमानजी मंदिर पर एक हेक्टेयर जमीन को औषधि पार्क बनाने के लिए पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन सुजागृति संस्था द्वारा किया गया। पौधरोपण से पूर्व में जो पौधे लगाए गए थे उन पौधों की सफाई की गई घास हटाया गया। फिर पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर गूगल, सतावर, अग्नि मांथ, जामुन और बरगद आदि के विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण किया गया।

इस कार्यक्रम में जितेन्द्र सिंह तोमर, राकेश पचौरी, सबलगढ़ बमसौली के सरपंच मुरारी लाल रावत, जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सदस्य व हितग्राही किसान मुरैना से राकेश श्रीवास्तव, सुशील कुमार नागर, राजेन्द्र, सुजागृति से जाकिर हुसैन, मुन्नालाल आदि लोगों ने भागीदारी की। यह पौधरोपण यहां एक औषधि पार्क बने, पर्यावरण की सुरक्षा हो गरीबों की आजीविका सुनिश्चित हो, इस उद्देश्य को लेकर हरियाली से खुशहाली की ओर समुदाय को ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सहयोग से आयोजित किया गया। लगाए गए पौधों का रखरखाव का संकल्प भी ग्रामीणों ने लिया। साथ ही सरपंच ने ट्री-गार्ड लगाने का आश्वासन दिया।

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल, सतावर, करील, का रोपण

आज दिनांक 07.08.2020 को ग्राम पंचायत पहाड़ी के चक्क सफेरे, मोगियों का पुरा तहशील मुरैना मैं सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण गुग्गल, सताबर जामोंन, नीम का किया गाया पर्यावरण की सुरक्षा एवं समुदाय की आजीविका का साधन भूमि कटाव को रोकने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है इस कार्यक्रम में हितग्राही किसान ग्राम सरपंच पहाड़ी बनवारी लाल गुर्जर राजेन्द्र सिंह सिद्दर यादब सुजागृती समाज सेवी संस्था के लोग भागीदारी करेंगे तकनीकी सहयोग के लिए वन विभाग से कुलश्रेष्ठ डिप्टी रेंजर पलिया फोरेस्ट गार्ड मुरैना रहेंगे पेड़ ही प्रदूषण के जहर को बचाते हैं हारी बीमारी से हम को बचाते हैं। हरियाली ही खुशियां ली है का संदेश दिया गया।

गुग्गल का पौधा लगाकर आत्मनिर्भर बन सकते है किसान

विश्व वर्षा दिवस 29.07.2020 के उपलक्ष्य में एक प्रस्तुति के रुप में वृक्षारोपण के साथ पृथ्वी दिवस हमारी पृथ्वी को पुनर्स्थापित करें, हमारी धरती पर ध्यान केंद्रित हेतु पर्यावरण को सुरक्षित करने बा जिले को प्रदूषण रहित बनाने के लिए ब लोगों की आजीविका सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा आज ग्राम बामसौली तहसील सबलगढ़ में खो वाले हनुमान जी पर पौधारोपण किया गया जिसमें गूगल सतावर, करील आदि के पौधे रोहित किए गए इस वृक्षा रोपण कार्यक्रम में जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्य जन समुदाय सुजागृति समाज सेवी संस्था के लोगों ने भागीदारी की वृक्षारोपण के तकनीकी मार्गदर्शन हेतु वन विभाग के लोगों ने पौधा लगाना उनके रखरखाव पर ग्राम वासियों को जानकारी दी । होंगे पेड़ बहेगी वायु, हम सबकी बढ़ेगी आयु,। आओ रखें धरती का मान, वृक्ष लगाओ दो सम्मान। सुजागृति का है सपना, जंगल जंगल घर अपना। जाकिर हुसैन अध्यक्ष सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना।

जागरूकता... गुग्गल का पौधा लगाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं किसानः जाकिर

पेपर न्यूज

मुरैना | गुग्गल का पौध कोई भी जानवर नहीं खाता। इस पौध को विकसित होने के लिए ज्यादा पानी की भी आवश्यकता नहीं होती। आसानी से बाजार उपलब्ध होने के कारण गुग्गल का पौधा लगाकर किसान आत्मनिर्भर बन सकते हैं। यह जानकारी सोमवार को पटवारी प्रशिक्षण केंद्र पर आयोजित पौध रोपण कार्यक्रम में समाजसेवी जाकिर हुसैन ग्रामीणों को दे रहे थे। इस अवसर पर सरकारी जमीन में 250 से अधिक गुग्गल के पौधे रोपे गए। अंत में ग्रामीणों ने रोपे गए पौधों के रख-रखाव करने का संकल्प लिया।

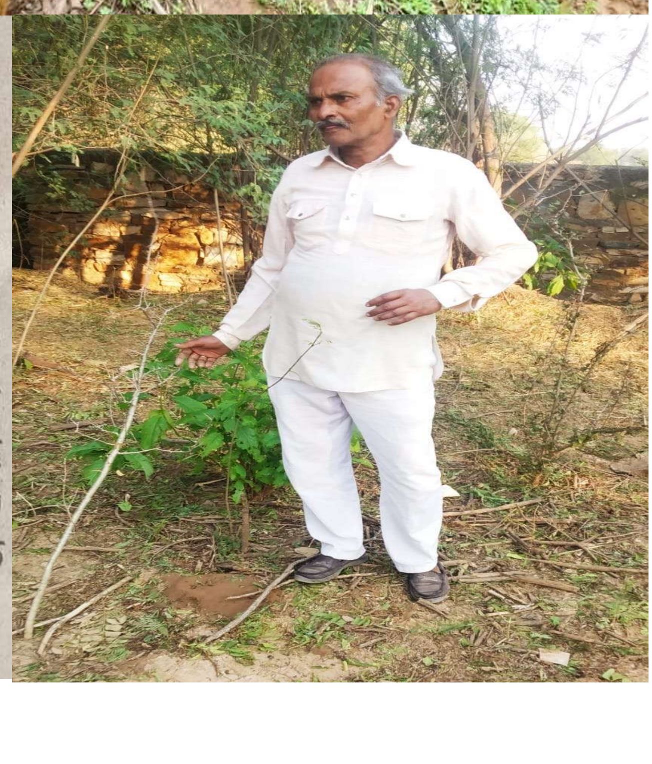

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल, सतावर, करील, का रोपण ग्राम पिपरई में

दिनंक 05 जुलाई 2020 को नाग पंचमी के शुभ अवसर पर सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा पटवारी प्रशिक्षण केंद्र के पीछे बीहड़ भूमि में 400 पौधों का रोपण किया जा गाया जिसमें पंचांग रा सतावर गूगल बेलपत्र विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गये हैं जिससे यहां की जमीन रिवाइस मै परिबर्तत होने से बेचेगी एवं पटवारी प्रशिक्षण केंद्र की जमीन का सदुपयोग भी होगा एक औषधि उद्यान बनेगा और पर्यावरणीय लाभ होगा तथा वहां के भूमिहीन एवं बेघर लोगों के लिए आजीविका का स्रोत बनेगा यहां पूर्व में भी 4 एकड़ जमीन में पौधारोपण किया जा चुका हैपर्यावरण को सुरक्षित रखने एवं जिले को पर्यावरण प्रदूषित रहित करने के मकसद से तथा आजीविका सुनिश्चित करने हेतु पौधारोपण किया गया इस पौधारोपण में संस्था के अध्यक्ष जाकिर हुसैन लव पामर सुरेंदर सिंह बेताल सिंह उमेद और भभूति ने भाग लिया।

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल, सतावर, करील, का रोपण

सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना ईदगाह प्रांगण में 150 पौधों का पौधारोपण दिनांक 19.07.2020 रविवार को शाम 05 बजे किया गया जिसमें ईदगाह कमेटी के लोग, मुनव्वर अली संस्था के लोग सम्मिलित हुये पौधारोपण निम्न प्रजाति के डेढ़ सौ पौधों का रोपण किया गया इसमें सहयोग नसेमेजी रेंजर मुरैना द्वारा किया गया तथा 50 पौधे भी उनके द्वारा दिए गये पौधे गूगल शतावर खमेर गुलाब गुड़हल मोगरा चंपा हरसिंगार विभिन्न प्रजातियों के पौधों इस कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों के रूप में अब्दुल हुसैन रहीस खान और संस्था अध्यक्ष जाकिर हुसैन के नेतृत्व में यह कार्यक्रम संपादित किया गया इस समय कार्बन डाइऑक्साइड तथा अन्य जहरीली गेसौ के कारण केवल मनुष्य ही नहीं अपितु समस्त प्राणियों के जीवन का पर घातक असर पड़ता है ओजोन परत को भी इन गैसों से क्षति पहुंच रही है प्राणियों को जीवन में पर्यावरण को हरा भरा बनाने की प्रयास करें इस घातक समस्या से निजात पाने के लिए बुद्धिजीवियों वैज्ञानिक शासकीय मशीनरी के पास पर्यावरण को हरा भरा रखने के अलावा कोई चारा नहीं रहा आज महामारी कोरोना को पर्यावरण से भी हरा सकतें

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल को कटिंग द्वारा कैसे लगाये पर प्रशिक्षण

आज दिनांक 28.07.2020 को ग्राम जाबरोल जनपद पंचायत सबलगढ़ जिला मुरैना में गूगल को कटिंग से कैसे लगाया जाए उस पर प्रशिक्षण हितग्राही किसानों को एवं भोपाल से आए फॉरेस्ट गार्ड और अन्य साथियों को दिया गया

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गीत—नाटक के जरिए दिया गया संरक्षण का संदेश

आज दिनांक 23 सितम्बर 2020 ग्राम बामसौली में गूगल पौधे के संरक्षण और संवर्धन हेतु कला मंडल द्वारा वातावरण निर्माण एवं पौधों के रखरखाव और संरक्षण पर चर्चा करते हुए आम जनता के साथ, साथ में बीएमसी अध्यक्ष रामबहादुर एवं पूर्व सरपंच बहादुर सिंह जादोन यह पौधे दउचइ के सहयोग से सुजागृति संस्था द्वारा लगाए गए 1 हेक्टेयर मैं

जागरुकता...गीत-नाटक के जरिए दिया पर्यावरण सरंक्षण का संदेश

पेपर न्यूज

मुरैना | शासकीय कलापथक दल ने मंगलवार को ग्राम बमरौली पहुंचकर अभिनय के माध्यम से ग्रामीणों को पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया। जिसमें उन्हें गीत के माध्यम से कहा कि पेड़ हैं सांसे, पेड़ जीवन, पेड़ों की रखवाली हो। जंगल-जंगल नाच उठें और जगह-जगह हरियाली हो। इसके बाद नाटक की प्रस्तुती देकर ग्रामीणों को बताया कि मानवीय हस्तक्षेप के कारण किस तरह हमारा पर्यावरण नष्ट हो रहा है। अभिनय के माध्यम से ग्रामीणों को जागरुक करने वाले कलाकारों में राजेंद्र बांदिल, मुन्नालाल, सुशील कुमार, राकेश श्रीवास्तव, नरेश पोसिया आदि थे। कार्यक्रम का संचालन जाकिर हुसैन द्वारा ने किया।

गुग्गल के संरक्षण एवं संबर्धन हेतु गुजरात एक्सपोजर विजिट पर संस्था का दल

एक्सपोजर विजिट हेतू संस्था की ओर से 3 लोगों का एक दल 21 12 2020 तारीख को आनंद गुजरात में एक नर्सरी का अवलोकन किया गया जिसको अगरूपा चौहान साहब द्वारा लगा गया था 22 तारीख में हमारे द्वारा हिम्मतनगर मैं देवकी नर्सरी जशन पुरा में देखी गई यहां भी औषधि पौधे ब अन्य प्रजाति के प्लाट लगे हुए है दोपहर बाद हम लोग भानपुरा में फील्ड विजिट किया जहां हितग्राही किसानों द्वारा लगाए गए पौधे व प्राकृतिक रूप से लगे पौधों को देखा जिसमें एक किसान द्वारा गूगल के पौधे लगाए किंतु उससे वह गोंद नहीं निकाल पाया क्योंकि उसे जानकारी गौद निकालने की नहीं थी नहीं कहीं से मिली फिर उसने उन पेड़ों कोउखाड़बा कर उस पर अन्य खेती कर ली 23 तारीख मैं हम लोग भुज पहुंचे जा सर्व प्रथम हमारी डीएफओ साहब तुषार पटेल साहब के साथ बैठक हुई तथा उनपर रेंजर ओं केसाथ हमने एक नर्सरी व प्राकृतिक पौधों को देखा यहां इनकी नर्सरी में खारा गूगल और मीठा गूगल नाम की दो प्रजाति हे गूगल की उन्हें देखा,इनकी नर्सरी बहुत अच्छी थी हमने नर्सरी लगाने की कल सीखी, 24 तारीख में हम लोग माता नो मठ गूगलयान गए वहां की नर्सरी देखी यहां नर्सरी काबिले तारीफहैं , गूगल के यहां हमने गूगल के बीज संग्रह से लेकर बीजारोपण तथा नर्सरी के रखरखाव के तौर तरीके सीके समझे इसी नर्सरी में एक हमें नर पौधा गूगल का भी देखने को मिला उससे हमारे द्वारा चार पांच कटिंग ली गई गूगल यान में भुज बन बिभाग द्वारा गूगल का अच्छा संरक्षण एवं संवर्धन का किया गया है वह देखा यहां की पौधों की ऊंचाई 4 से 5 फीट है तथा कुछ पौधे मजार के पास लगे थे वह बहुत विशाल पौधे थे जिनकी ऊंचाई 12 से 13 फीट ऊंचे थे मोटाई भी बहुत अच्छी थी हमारे द्वारा कुछ ग्रामीणों से ब हितग्राही किसानों से भी बात की गई बन अमले से भी चर्चा की गई किंतु गूगल निकालने के विषय में जानकारी कोई नहीं दे रहा था गूगल से कितना गौद निकलता है यह भी नहीं जान सके उसके बाद हम कादरी कृषि अनुसंधान केंद्र में पहुंचे जहां 90 पौधे गूगल के लगे हुए हैं वह देखे वहां के साइंटिस्ट ओं से बात की तदोपरांत गाइड इंस्टिट्यूट को देखा वहां से भी हमने गूगल के विषय में जानकारी प्राप्त की 25 तारीख में हमारे द्वारा मुरैना के लिए वापसी की गई।

गुजरात एक्स्पोजर विजिट से यह महसूस हुआ के गूगल हेतु यहां का मिट्टी तथा मौसम बड़ा मुफीद है इस भूभाग में कटिंग के पौधा न लगाकर बीज द्वारा तैयार किए गए गूगल के पौधे रोपित किए जाएं क्योंकि बीज द्वारा लगाया गया पौधा सुपोषण करने तथा रोगों से लड़ने में सक्षम होता है जबकि कटिंग के पौधे में ऐसा नहीं है गूगल का पौधा बढ़ता भी तेजी से है उसे गोंद भी कम समय में निकलेगा प्राकृतिक पौधे जो जंगल में लगे हुए हैं गुजरात में भी नर पौधों की संख्या ना के बराबर है किंतु है नर पौधों की संख्या बढ़ाने की भी आवश्यकता महसूस होती है जिससे जेनेटिक प्रभाव पड़ेगा ,देखने में यह भी आया के गुजरात के हितग्राही किसान तथा जमीनी स्तर का वन बिभाग के अमले को गूगल से संबंधित तकनीकी व पारंपरिक जानकरी की कमी महसूस हुई उन्हें प्रशिक्षण की आवश्यकता महसूस होती है क्योंकि गूगल के संरक्षण और संवर्धन के बाद गूगल से गोंद निकालना भी आवश्यक है उसके ज्ञान की आवश्यकता है जमीनी लोगों को है जिसमें हार्वेस्टर प्रोसेसिंग भंडारण और बिनाश हीन विदोहन को लोग भलीभाति समझें भुज की गूगल नर्सरिया काबिले तारीफ है उन पर अच्छा काम किया गया है

गुग्गल के संरक्षण एवं संबर्धन हेतु गुजरात एक्सपोजर विजिट के फोटो

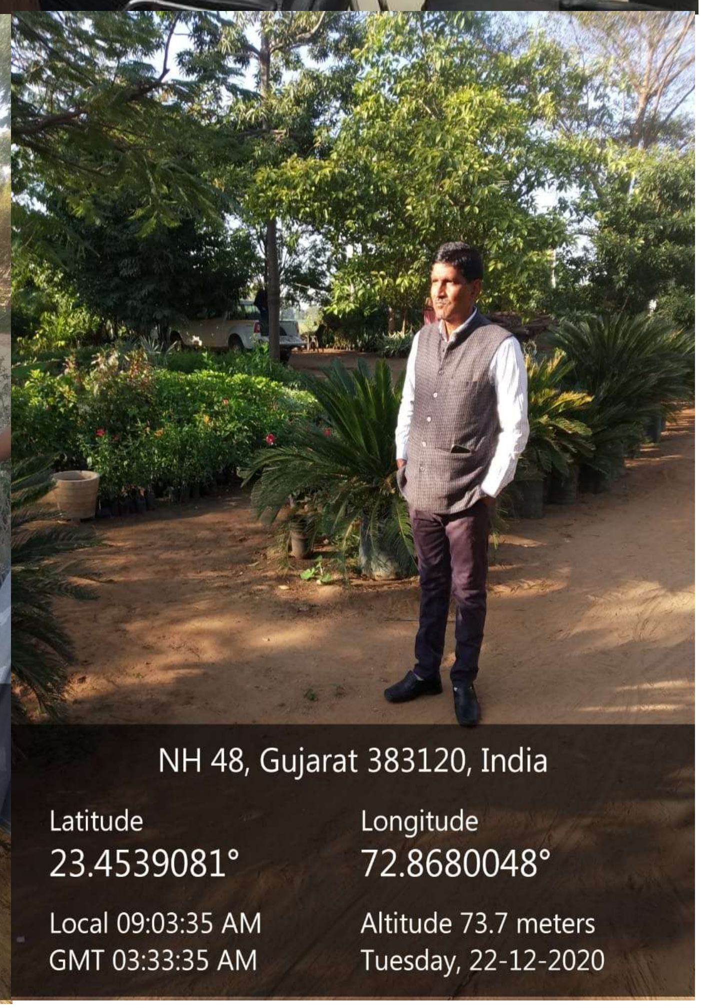

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल फल संग्रह

दिनांक 29.11.2020 को इस वर्ष 40 केजी पका हुआ गूगल का फल संग्रह किया गया है सर तथा 50000 पौधे लगाने का लक्ष्य है नर्सरी दो जगह स्थापित की जाएगी 1 ग्राम जाबरोल में तथा दूसरा मुरैना में घराना हनुमान जी के पीछे

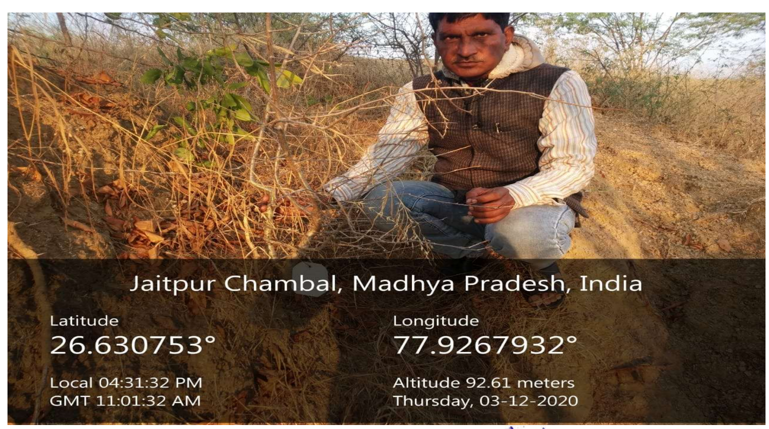

Name.......................................

Head of the Organization

President

Sujagrati Samaj Sevi Sanstha

Morena (M.P.)